



2 March, 2024

राष्ट्रीय जन्म दोष जागरूकता माह 2024

संदर्भ: नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के.पॉल ने राष्ट्रीय जन्म दोष जागरूकता माह 2024 का शुभारंभ किया।

- **थीम:** इस वर्ष के अभियान का विषय है "बाधाओं को तोड़ना: जन्म दोष वाले बच्चों के लिए समावेशी समर्थन"।
- **उद्देश्य:** अभियान का उद्देश्य जन्म दोषों की रोकथाम, शीघ्र पहचान और समय पर प्रबंधन के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।
- **पृष्ठभूमि:**
 - राष्ट्रीय जन्म दोष जागरूकता माह का उद्देश्य आम नागरिकों में सभी जन्म दोषों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और बच्चों की देखभाल और उपचार में सुधार करना है।
 - जन्म दोष प्रसवकालीन, नवजात और पांच साल से कम उम्र के बच्चों में रुग्णता और मृत्यु दर को बढ़ावा देते हैं, दुनिया भर में छह प्रतिशत बच्चे जन्म दोष के साथ पैदा होते हैं।
 - भारत में, जन्म दोष नवजात मृत्यु दर में 4.9% और पांच वर्ष से कम उम्र में मृत्यु दर में 5.7% का योगदान देते हैं, इस मुद्दे को संबोधित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया है।
 - राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (RBSK) जन्म दोषों की शीघ्र पहचान और प्रबंधन, विकलांगता को कम करने सहित स्वास्थ्य परिणामों में सुधार के लिए विभिन्न स्तरों पर बच्चों की जांच/परीक्षण पर केंद्रित है।

Selected Health Conditions for Child Health Screening & Early Intervention Services	
Defects at Birth	Deficiencies
1. Neural tube defect	10. Anaemia especially Severe anaemia
2. Down's Syndrome	11. Vitamin A deficiency (Bitot spot)
3. Cleft Lip & Palate / Cleft palate alone	12. Vitamin D Deficiency, (Rickets)
4. Talipes (club foot)	13. Severe Acute Malnutrition
5. Developmental dysplasia of the hip	14. Goiter
6. Congenital cataract	
7. Congenital deafness	
8. Congenital heart diseases	
9. Retinopathy of Prematurity	
Diseases of Childhood	Developmental delays and Disabilities
15. Skin conditions (Scabies, fungal infection and Eczema)	21. Vision Impairment
16. Otitis Media	22. Hearing Impairment
17. Rheumatic heart disease	23. Neuro-motor Impairment
18. Reactive airway disease	24. Motor delay
19. Dental conditions	25. Cognitive delay
20. Convulsive disorders	26. Language delay
	27. Behavior disorder (Autism)
	28. Learning disorder
	29. Attention deficit hyperactivity disorder
	30. Congenital Hypothyroidism, Sickle cell anemia, Beta thalassaemia (Optional)

- **जन्म दोष क्या हैं?**
 - **व्यापकता:** संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रतिवर्ष जन्म लेने वाले प्रत्येक 33 शिशुओं में से 1 को जन्म दोष प्रभावित करता है, यानी हर साल कुल मिलाकर लगभग 120,000 बच्चे।
 - **प्रकृति:** जन्म दोषों में जन्म के समय मौजूद संरचनात्मक परिवर्तन शामिल होते हैं, जो शरीर के किसी भी हिस्से को प्रभावित कर सकते हैं। संभावित रूप से यह मानसिक एवं शारीरिक कार्यक्षमता या दोनों को प्रभावित कर सकते हैं। इसकी प्रभावकारिता हल्के से गंभीर तक अलग-अलग होती है।
 - **जन्म दोषों की पहचान करना:**
 - **जांच:** जन्म दोषों की पहचान जन्म से पहले, जन्म के समय या उसके बाद की जा सकती है, जिनमें से अधिकांश का पता जीवन के पहले वर्ष के भीतर लगाया जाता है।
 - **निदान के तरीके:** कुछ दोष दिखाई देते हैं, जबकि अन्य को पता लगाने के लिए इकोकार्डियोग्राम, एक्स-रे, या श्रवण परीक्षण जैसे विशेष परीक्षणों की आवश्यकता होती है।
 - **कारण और जोखिम कारक:**
 - **समय:** अधिकांश जन्म दोष गर्भावस्था के पहले तीन महीनों के दौरान होते हैं, जबकि कुछ गर्भधारण के बाद में उत्पन्न होते हैं।

- **कारण (Etiology संबंधी):** हालांकि जन्म दोष के कारण अलग-अलग होते हैं, इनमें आनुवंशिकी, पर्यावरणीय प्रभाव और मातृ व्यवहार आदि सभी शामिल हैं।
- **जोखिम कारक:** मातृ धूम्रपान, शराब का सेवन, कुछ दवाएं, चिकित्सीय स्थितियां, गर्भावस्था के दौरान संक्रमण, बुखार और अधिक मातृ आयु, जन्म दोषों के जोखिम को बढ़ा सकते हैं।
- **रोकथाम की रणनीतियाँ:**
 - **गर्भधारण पूर्व देखभाल:** जोखिमों को कम करने के लिए नियमित प्रसवपूर्व देखभाल और शीघ्र शुरुआत आवश्यक है।
 - **फॉलिक एसिड अनुपूरण:** गर्भधारण से कम से कम एक महीने पहले प्रतिदिन 400 माइक्रोग्राम फॉलिक एसिड का सेवन करने की सलाह दी जाती है।
 - **परहेज:** गर्भावस्था के दौरान शराब का सेवन, धूम्रपान और कुछ दवाओं का सेवन बंद करने की सलाह दी जाती है।
 - **संक्रमण से बचाव:** गर्भावस्था के दौरान संक्रमण से बचाव के लिए सावधानी बरतना आवश्यक है।
 - **चिकित्सीय स्थितियों पर नियंत्रण:** गर्भाधान से पहले मधुमेह जैसी मौजूदा चिकित्सीय स्थितियों का प्रबंधन करने से जोखिमों को कम किया जा सकता है।
- **जन्म दोष के साथ रहना:**
 - **विशेष देखभाल:** जन्म दोष वाले शिशुओं को जीवित रहने और इष्टतम विकास के लिए अक्सर विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है।
 - **शीघ्र हस्तक्षेप:** राज्य; जन्म दोष ट्रेकिंग कार्यक्रमों के माध्यम से शीघ्र पहचान और रेफरल आवश्यक सेवाओं तक समय पर पहुंच की सुविधा प्रदान करता है।
 - **संसाधन उपयोग:** आनुवंशिकीविदों और आनुवंशिक परामर्शदाताओं सहित चिकित्सा पेशेवरों से मार्गदर्शन प्राप्त करना, जन्म दोषों से जुड़ी चुनौतियों से निपटने वाले परिवारों के लिए महत्वपूर्ण समर्थन और उपयोगी जानकारी प्रदान कर सकता है।

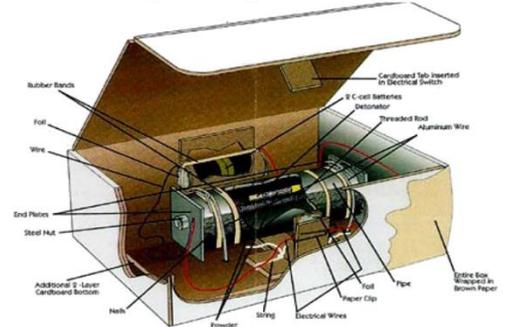
इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी)

संदर्भ: संभवतः एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (IED) के कारण 1 मार्च को बेंगलुरु के व्हाइटफील्ड क्षेत्र में रामेश्वरम कैफे में हुए एक विस्फोट में नौ लोग घायल हो गए, ।

आईईडी की परिभाषा:

- आईईडी, या इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस एक घरेलू बम है जिन्हें पारंपरिक गैर-सैन्य उपयोगों हेतु बनाया और तैनात किया जाता है।
- वे अक्सर आसानी से सुलभ सामग्रियों से तैयार किए जाते हैं, जिनमें सैन्य-ग्रेड विस्फोटक या सामान्य घरेलू सामान शामिल होते हैं।
- इन उपकरणों का उपयोग उनके अपेक्षाकृत सरल निर्माण और विनाशकारी प्रभाव के कारण अक्सर आतंकवाद, असममित युद्ध और शहरी संघर्षों में किया जाता है।
- "आईईडी" शब्द को उत्तरी आयरलैंड संघर्ष और इराक युद्ध जैसे संघर्षों के दौरान व्यापक रूप से तब मान्यता मिली, जब सैन्य और नागरिक गतिविधियों के विरुद्ध ऐसे उपकरणों का बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया था।

Improvised Explosive Device



Face to Face Centres





2 March, 2024

➤ **आईईडी के घटक:**

- **IED के प्रमुख घटकों में शामिल हैं:**
 - **स्विच (एक्टिवेटर):** यह विस्फोट प्रक्रिया शुरू करता है।
 - **आरंभकर्ता (फ्यूज):** यह विस्फोटक प्रतिक्रिया को ट्रिगर करता है।
 - **कंटेनर (बॉडी):** इसमें विस्फोटक सामग्री और घटक रखे जाते हैं।
 - **चार्ज (विस्फोटक):** इस डिवाइस के भीतर प्राथमिक विनाशकारी पदार्थ होते हैं।
 - **शक्ति स्रोत (बैटरी):** यह डेटोनेटर को सक्रिय करने के लिए आवश्यक ऊर्जा प्रदान करता है।
- IED का प्रत्येक घटक इसकी कार्यप्रणाली में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथ ही इसकी विनाशकारी क्षमता और विश्वसनीयता में योगदान देता है।

➤ **आईईडी के प्रभाव:**

- IED को कर्मियों और वाहनों को नुकसान पहुंचाने और क्षतिग्रस्त करने के साथ-साथ दुश्मन के अभियानों को बाधित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- IED के विस्फोट से घातक चोटें लग सकती हैं, जिनमें विस्फोट आघात, छर्रे के घाव, जलन और आघात आदि शामिल हैं।
- एंटी-कार्मिक आईईडी में अक्सर विस्फोट के दायरे में व्यक्तियों को अधिकतम नुकसान पहुंचाने के लिए फील या बॉल बेयरिंग जैसी अतिरिक्त विखंडन सामग्री शामिल होती है।
- आईईडी हमलों का मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी महत्वपूर्ण हो सकता है, जिसे नागरिक आबादी और सैन्य कर्मियों में भय और अनिश्चितता उत्पन्न हो सकती है।

➤ **आईईडी की कार्यप्रणाली:**

- IED को विभिन्न माध्यमों से सक्रिय किया जा सकता है, जिनमें शामिल हैं:
- सुरक्षित दूरी पर व्यक्तियों द्वारा संचालित रिमोट कंट्रोल उपकरण।
- दबाव-संवेदनशील ट्रिगर, जैसे दबाव प्लेट या ट्रिपवायर, जो संपर्क पर सक्रिय होते हैं।
- जब कोई लक्ष्य अनजाने में डिवाइस को ट्रिगर करता है तो पीड़ित द्वारा संचालित स्विच को विस्फोट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- कुछ परिष्कृत आईईडी डेजी-चेनिंग में सक्षम हैं, जहां किसी लक्ष्य या काफिले पर प्रभाव को अधिकतम करने के लिए कई उपकरणों को एक साथ जोड़ा जाता है।

➤ **आईईडी के प्रकार:**

- **कुछ सामान्य प्रकार के IED में शामिल हैं:**
 - **वाहन-जनित आईईडी (VBIED):** ये विस्फोटकों के वितरण तंत्र के रूप में वाहनों का उपयोग करते हैं, अक्सर कार बम के रूप में।
 - **गृह-जनित आईईडी (HBIED):** विस्फोटकों से भरी इमारतों सैनिकों के प्रवेश करते ही ढह जाती हैं।
 - **सड़क किनारे आईईडी:** इस प्रकार की IED सैन्य काफिले या वहां से गुजरने वाले नागरिक वाहनों को निशाना बनाने के लिए सड़कों के किनारे लगाए जाते हैं।
- इस प्रकार IED प्रकार का चुनाव उन्हें तैनात करने वाले व्यक्तियों या समूहों के उद्देश्यों और संसाधनों पर निर्भर करता है।

➤ **अतिरिक्त विचारणीय तथ्य:**

- आईईडी अपनी बहुमुखी प्रतिभा, निर्माण में आसानी और बड़े पैमाने पर हताहत होने की संभावना के कारण एक महत्वपूर्ण खतरा प्रस्तुत करते हैं।
- सुरक्षा बलों और नागरिक आबादी को आईईडी हमलों से उत्पन्न खतरे के प्रति सतर्क रहना चाहिए और जोखिमों को कम करने के लिए उचित उपाय करने चाहिए।
- आईईडी का सामना करने के प्रयासों में नेटवर्क को बाधित करना और हमलों को रोकने के लिए खुफिया जानकारी एकत्र करना, आतंकवाद विरोधी अभियान और सामुदायिक भागीदारी का संयोजन शामिल है।

- दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए आईईडी का उपयोग करने वालों द्वारा अपनाई जाने वाली विकसित रणनीति और प्रौद्योगिकियों से आगे रहने के लिए निरंतर अनुसंधान और विकास आवश्यक है।

भारत में मोटापे का बढ़ता दबाव

संदर्भ: द लैंसेट के अनुसार, 2022 में, भारत में 44 मिलियन महिलाएं और 26 मिलियन पुरुष मोटापे से ग्रस्त बताए गए।

➤ **व्यापकता:**

- वर्ष 2022 में, भारत में 70 मिलियन वयस्क मोटापे से ग्रस्त थे।
- मोटापे से ग्रस्त महिलाओं की संख्या पुरुषों की तुलना में लगभग दोगुनी थी, जिसमें 44 मिलियन महिलाएं और 26 मिलियन पुरुष प्रभावित थे।

➤ **बचपन का मोटापा:**

- 19 वर्ष और उससे कम आयु के बच्चों में, 5.2 मिलियन लड़कियाँ और 7.3 मिलियन लड़के मोटापे से ग्रस्त थे।
- यह आंकड़ा 29 फरवरी, 2024 को द लैंसेट में प्रकाशित एक वैश्विक अध्ययन में बताया गया था।

➤ **मोटापे की दर में रुझान:**

- **समय के साथ वृद्धि:**
 - भारत में मोटापे की दर में वर्ष 1990 से वर्ष 2022 तक उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई।
 - महिलाओं के लिए मोटापे की दर वर्ष 1990 में 1.2% से बढ़कर वर्ष 2022 में 9.8% हो गई।
 - इसी तरह, पुरुषों के लिए मोटापे की दर 1990 में 0.5% से बढ़कर वर्ष 2022 में 5.4% हो गई।
- **वैश्विक तुलना:**
 - वर्ष 2022 में महिलाओं में मोटापे की व्यापकता के मामले में भारत दुनिया में 182वें स्थान पर और पुरुषों में 180वें स्थान पर था।
 - ये रैंकिंग एनसीडी रिस्क फैक्टर सहयोग और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा किए गए एक अध्ययन पर आधारित थी।

➤ **कम वजन के रुझान:**

- **समय के साथ गिरावट:**
 - वर्ष 1990 से वर्ष 2022 तक वयस्कों और बच्चों दोनों में कम वजन की दर में काफी कमी आई है।
 - वर्ष 1990 में भारत सहित कई देशों में मोटापे की तुलना में कम वजन का प्रचलन अधिक था।
- **वर्तमान दरें:**
 - वर्ष 2022 में, महिलाओं के लिए कम वजन की दर घटकर 13.7% और पुरुषों के लिए 12.5% हो गई, जबकि वर्ष 1990 में यह क्रमशः 41.7% और 39.8% थी।
 - किशोरों और बच्चों में, कम वजन की दर वर्ष 1990 में 27.3% से घटकर वर्ष 2022 में लड़कियों के लिए 20.3% और लड़कों के लिए 45.1% से 21.7% हो गई।

➤ **कारण और अनुशांशाएं:**

- **योगदान देने वाले कारक:** कम वजन से मोटापे में बदलाव में योगदान देने वाले कारकों में खाने की आदतों में बदलाव और विगत तीन दशकों में देखी गई शारीरिक गतिविधि में कमी को शामिल किया गया है।
- **कार्रवाई की तात्कालिकता:**
 - गरीबी को दूर करने और खाद्य सुरक्षा में सुधार के लिए तत्काल आर्थिक और कृषि नीतियों की आवश्यकता है।

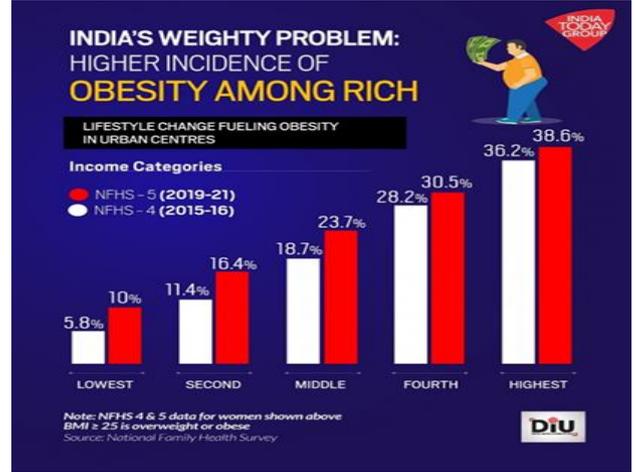
Face to Face Centres





2 March, 2024

- स्वस्थ पोषण और शारीरिक गतिविधि को बढ़ावा देने सहित मोटापे की रोकथाम और प्रबंधन रणनीतियों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।
- नीतिगत अनुशासण:
 - गैर-स्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों के विज्ञापन पर रोक लगाने, गैर-स्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों की बिक्री को विनियमित करने और स्पष्ट पोषण लेबलिंग को बढ़ावा देने वाली नीतियां आवश्यक हैं।
 - विभिन्न सरकारी पहलों में व्यायाम के लिए सामुदायिक स्थान प्रदान करना चाहिए और स्वस्थ जीवन शैली विकल्पों को बढ़ावा देना चाहिए।
- नैदानिक दिशानिर्देश:
 - मोटापे के इलाज के लिए मानकीकृत नैदानिक दिशानिर्देशों की कमी स्थापित प्रोटोकॉल की आवश्यकता पर प्रकाश डालती है।
 - मोटापे के लिए नए औषधीय उपचारों का मूल्यांकन किया जा रहा है लेकिन उपचार के लिए मानकीकृत दृष्टिकोण के बिना इसका प्रभाव सीमित हो सकता है।



NEWS IN BETWEEN THE LINES

VSHORADS मिसाइल



हाल ही में, भारत ने ओडिशा के तट से दूर एक अति कम दूरी वाली वायु रक्षा मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। VSHORADS मिसाइल के बारे में:

- वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम (VSHORADS) भारत द्वारा विकसित चौथी पीढ़ी का MANPADS (मैन-पोर्टेबल एयर-डिफेंस सिस्टम) है।
- इसे अनुसंधान केंद्र इमारत (Research Centre Imarat) द्वारा अन्य रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) प्रयोगशालाओं और भारतीय उद्योग भागीदारों के सहयोग से विकसित किया गया था।
- इस मिसाइल में लघु प्रतिक्रिया नियंत्रण प्रणाली (RCS) और एकीकृत एवियोनिक्स सहित कई नवीन प्रौद्योगिकियों को शामिल किया गया है, जो लक्ष्यों पर हमला करने में इसकी प्रभावशीलता को बढ़ाता है।
- यह एक डुअल थ्रस्ट ठोस मोटर द्वारा संचालित होता है, जो हवाई खतरों को रोकने और बेअसर करने के लिए आवश्यक जोर प्रदान करता है।

वैदिक घड़ी



हाल ही में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश में 'विक्रमोत्सव' उत्सव के हिस्से के रूप में उज्जैन में वैदिक घड़ी का उद्घाटन किया। वैदिक घड़ी के बारे में:

- विक्रमादित्य वैदिक घड़ी दुनिया की पहली 'वैदिक घड़ी' है, जिसे प्राचीन भारतीय पारंपरिक पंचांग समय गणना प्रणाली के अनुसार समय प्रदर्शित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- मध्य प्रदेश के उज्जैन में जंतर मंतर के भीतर 85 फुट ऊंचे टॉवर पर स्थित, घड़ी समय निर्धारण में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक के रूप में कार्य करती है।
- घड़ी न केवल समय दिखाती है बल्कि ग्रहों की स्थिति, मुहूर्त, ज्योतिषीय गणना और भविष्यवाणियों के बारे में भी जानकारी प्रदान करती है।
- यह भारतीय मानक समय (IST) और ग्रीनविच मीन टाइम (GMT) दोनों को इंगित करता है।
- घड़ी एक सूर्योदय से दूसरे सूर्योदय तक के समय की गणना करती है, दो सूर्योदयों के बीच की अवधि को 30 भागों में विभाजित करती है।
- भारतीय मानक समय (IST) के अनुसार प्रत्येक घंटे में 48 मिनट होते हैं।

मातृत्व लाभ अधिनियम 1961



हाल ही में, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया है कि मातृत्व अवकाश पाने की पात्रता के संबंध में संविदात्मक और स्थायी कर्मचारियों के बीच भेदभाव करना अनुचित है क्योंकि यह अनुच्छेद 14 और मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 का उल्लंघन करता है।

मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 के बारे में:

- मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 एक ऐसा अधिनियम है जो कुछ प्रतिष्ठानों में महिलाओं को प्रसव से पहले और बाद में अवकाश प्रदान करता है।
- अधिनियम में कहा गया है कि प्रत्येक महिला मातृत्व लाभ पाने की हकदार है, जिसका भुगतान उसकी वास्तविक अनुपस्थिति की अवधि के लिए औसत दैनिक वेतन की दर से किया जाता है।
- यह अधिनियम कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के अंतर्गत आने वाले कर्मचारियों को छोड़कर, खदानों, कारखानों, सर्कस, उद्योग, बागान और दस या अधिक व्यक्तियों को रोजगार देने वाली दुकानों और प्रतिष्ठानों पर लागू होता है।
- इसमें प्रसव या गर्भपात के बाद छह सप्ताह की छुट्टी अनिवार्य की गई थी, जिसमें भुगतान किए गए मातृत्व अवकाश की अधिकतम सीमा बारह सप्ताह थी।
- मातृत्व लाभ प्राप्त करने के लिए महिलाओं को पिछले 12 महीनों में प्रतिष्ठान में कम से कम 160 दिन काम करना आवश्यक था।

मातृत्व लाभ (संशोधन) अधिनियम 2017:

- वर्ष 2017 में अधिनियम में महत्वपूर्ण बदलाव लाने के लिए इसमें संशोधन किया गया था:
- संशोधन ने केवल जैविक माताओं के लिए प्रसव के बाद मातृत्व अवकाश को बढ़ाकर 26 सप्ताह कर दिया।
- इसने दत्तक ग्रहण करने वाली या सरीगेट माताओं के लिए प्रावधान पेश किए, उन्हें बच्चे को सौंपने की तिथि से 12 सप्ताह का मातृत्व लाभ प्रदान किया।
- संशोधन ने महिलाओं को मातृत्व लाभ प्राप्त करने के बाद घर से काम करने की अनुमति दी, यदि उनके कार्य की प्रकृति इसकी अनुमति देती है।

Face to Face Centres





2 March, 2024

<p style="text-align: center;">जूस जैकिंग</p> 	<p>हाल ही में, भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने एक चेतावनी संदेश जारी कर मोबाइल फोन उपयोगकर्ताओं को "जूस जैकिंग" नामक साइबर हमले से जुड़े सुरक्षा जोखिमों का हवाला देते हुए सार्वजनिक बंदरगाहों का उपयोग करके अपने उपकरणों को चार्ज करने की सलाह दी।</p> <p>जूस जैकिंग के बारे में:</p> <ul style="list-style-type: none"> जूस जैकिंग एक साइबर हमले की विधि है जहां हैकर्स मैलवेयर इंस्टॉल करने या हार्डवेयर में बदलाव करने के लिए सार्वजनिक यूएसबी चार्जिंग पोर्ट में हेरफेर करते हैं जिससे वे कनेक्टेड डिवाइस से डेटा चुरा सकते हैं। हैकर्स हवाई अड्डों, होटलों और शॉपिंग सेंटर्स जैसे स्थानों में सार्वजनिक चार्जिंग पोर्ट के साथ छेड़छाड़ करते हैं उन्हें मैलवेयर से संक्रमित करते हैं या हार्डवेयर में संशोधन करते हैं। यह व्यक्तिगत और वित्तीय डेटा सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण जोखिम पैदा करता है क्योंकि हैकर्स कनेक्टेड डिवाइसों से संवेदनशील जानकारी तक दूरस्थ रूप से पहुंच सकते हैं और उसे चुरा सकते हैं। जूस जैकिंग के जोखिम को कम करने के लिए मोबाइल फोन उपयोगकर्ताओं को व्यक्तिगत चार्जर का उपयोग करने और अपने उपकरणों को सार्वजनिक यूएसबी पोर्ट से कनेक्ट करने से बचने की सलाह दी जाती है। इसके अतिरिक्त, एक वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) को नियोजित करने और यह सुनिश्चित करने की सिफारिश की जाती है कि उपकरणों में नवीनतम सुरक्षा अपडेट हों।
<p style="text-align: center;">सुर्खियों में स्थल</p> <p style="text-align: center;">इटली</p>	<p>हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित दूसरी भारत-इटली कांसुलर वार्ता साझा कांसुलर मामलों के संबंध में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित थी।</p> <p>इटली (राजधानी: रोम)</p> <p>अवस्थिति : इटली दक्षिणी यूरोप में स्थित एक बूट के आकार का प्रायद्वीप है।</p> <p>भौगोलिक सीमाएँ:</p> <ul style="list-style-type: none"> इटली की भूमि सीमाएँ फ्रांस, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रिया, स्लोवेनिया, वेटिकन सिटी और सैन मारिनो के साथ साझा होती हैं। यह भूमध्य सागर से घिरा हुआ है, जिसमें एड्रियाटिक सागर, आयोनियन सागर, टायरानियन सागर और लिगुरियन सागर शामिल हैं। <p>भौतिक विशेषताएँ:</p> <ul style="list-style-type: none"> इटली का सबसे ऊँचा स्थान मोंटे बियान्को है, जिसे फ्रेंच में मोंट ब्लैंक भी कहा जाता है, जो आल्प्स पर्वत श्रृंखला का हिस्सा है। इटली की प्रमुख नदियों में पो, तिबर, अर्नो, अडिगे और टिसिनो शामिल हैं। माउंट एटना यूरोप का सबसे ऊंचा और सबसे सक्रिय ज्वालामुखी है, जो सिसिली के पूर्वी तट पर स्थित 

POINTS TO PONDER

- भारतीय वायु सेना के किस स्क्वाड्रन को हाल ही में राष्ट्रपति ध्वज से सम्मानित किया गया है? - **नंबर 45 'फ्लाइटिंग डैगर्स'**
- हाल ही में किस घरेलू हवाई अड्डे को 10 दिनों के लिए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा घोषित किया गया है? - **जामनगर हवाई अड्डा**
- हाल ही में किस देश ने नई दिल्ली के चावल खरीद कार्यक्रम पर टिप्पणियों के संबंध में भारत के कड़े विरोध के बाद डब्ल्यूटीओ में अपने राजदूत को हटा दिया है? - **थाईलैंड (पिमचानोक वॉनकोपोन पिटफील्ड)**
- ग्रहीय सीमा ढांचे के विकास में उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए (पर्यावरणीय उपलब्धि के लिए) 2024 का टायलर पुरस्कार किसे प्रदान किया जाएगा? - **जोहान रॉकस्ट्रॉम**
- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने हाल ही में बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली (VSHORADS) का उड़ान परीक्षण कहाँ किया? - **चांदीपुर, ओडिशा तट पर**

Face to Face Centres

